जरूरी निर्देश भी दिए।

'कट्स' द्वारा विकसित किये जायेंगे 12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम, 'कट्स' द्वारा 'प्रोस्कोप' परियोजना का शुभारंभ

जयपुर । 'कट्स' द्वारा आने वाले समय में बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किये जायेंगे। यह जानकारी कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय परियोजना शुभारंभ बैठक के दौरान दी। जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हेक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। चेरियन वर्तमान बजट में राजस्थान सरकार द्वारा घोषित राजस्थान जैविक खेती मिशन एवं जैविक कमोडिटी बोर्ड के निर्णय की प्रशंसा करते हुए बजट में घोषित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेषक ने सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। उक्त परियोजना राजस्थान के 12 जिलों जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, जोधपुर, डूंगरपुर, झालावाड़ व उदयपुर में संचालित की जाएगी। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त श्री जगदीश पारीक ने अपने उद्बोधन में राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं बताई। उन्होंने बताया कि मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती में किसान अपनी लगन और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकता है।

पारीक ने आगे बताया कि भारत सरकार व राजस्थान सरकार दोनों ही जैविक खेती को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जैविक खेती करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्श जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे पूरे प्रदेष में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती में किसानों को सम्पूर्ण भागीदारी रखनी होगी। राज्य में जैविक उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए जयपुर स्थित दुर्गापुरा कृषि फार्म में लेबोरेटरी स्थापित की गई है। हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेषक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जैविक उत्पादों की मांग बढ़ेगी तो उत्पादन भी धीरे-धीरे बढ़ेगा। राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिषील किसान सुरेन्द्र अवाना ने बताया कि किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए समन्वित कृषि व्यवस्था से खेती करनी होगी। इसमें खेती के अतिरिक्त अन्य संसाधनों को भी विकसित करना होगा जो कि जैविक खेती में उपयोगी 'कट्स' के कुलदीप पंवार ने संस्था द्वारा संचालित 'फार्मस् प्रोड्यूसर ओर्गेनाईजेषन' परियोजना के तहत की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उक्त जिलों के किसान व परियोजना सहयोगियों सहित 60 से अधिक भागीदारों में कोटा जिले से जिला समन्वयक युधिष्ठिर चानसी ने भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पार्क के पास से कचरा पॉइंट हटाने की मांग को लेकर निगम आयुक्त को दिया ज्ञापन

कचरा पाइंट नहीं हटा तो स्थानीय व्यक्तियों के साथ करेंगे विरोध

तानाशाही के विरुद्ध आवाज बुलंद करना जलियांवाला

12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित होंगे

चित्तौड़गढ़। 'कट्स' द्वारा आने वाले समय में 12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किए जाएंगे। 'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन के अनुसार विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। प्रदेश के 12 जिले जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, जोधपुर, डूंगरपुर, झालावाड़ व उदयपुर में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किए जाएंगे। दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक ने बताया कि एक समारोह के तहत उक्त कार्य का शुभारंभ किया गया। राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। शुभारंभ पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त जगदीश पारीक ने अपने उद्बोधन दिया। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एएस बालोदा ने बताया कि राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्श जैविक ग्राम बनाए जाएंगे, इससे पूरे प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

दैनिक हेडलाइन न्यूज़
सच का वादा...

हाडोती हेडलाइन

कट्स' विकसित करेगबारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम

हेडलाइन न्यूज़ | कोटा

कट्स' द्वारा आने वाले समय में बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किये जायेंगे। यह जानकारी कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने जयपुर मे आयोजित राज्य स्तरीय परियोजना शुभारंभ बैठक के दौरान दी। जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हेक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। चेरियन वर्तमान बजट में राजस्थान सरकार द्वारा घोषित

राजस्थान जैविक खेती मिशन एवं जैविक कमोडिटी बोर्ड के निर्णय की प्रशंसा करते हुए बजट में घोषित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक ने सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। उक्त परियोजना राजस्थान के 12 जिलों जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौडगढ, प्रतापगढ, भीलवाडा, बांसवाडा, जोधपुर, डूंगरपुर, झालावाड व उदयपुर में संचालित की जाएगी।कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त जगदीश पारीक ने राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं बताई।

उन्होंने बताया कि मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए। कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्श जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे पूरे प्रदेष में जैविक खेती को बढावा मिलेगा। हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेशक, कृषि विभाग ने अपने बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जैविक उत्पादों की मांग बढेगी तो उत्पादन भी धीरे-धीरे बढेगा।कोटा जिले से जिला समन्वयक युधिष्ठिर चानसी ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

किया श्री राम बारात में शामिल आभार व्यक्त किया। हेलीकाप्टर से लोकसभा अध्यक्ष

कट्स द्वारा विकसित किए जायेंगे बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम,

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा। 'कट्स' द्वारा आने वाले समय में बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किये जायेंगे। यह जानकारी कट्स' के निदेशक जार्ज चेरियन ने आयोजित राज्य स्तरीय परियोजना शुभारंभ बैठक के दौरान दी। जार्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। चेरियन वर्तमान बजट में राजस्थान सरकार द्वारा घोषित राजस्थान जैविक खेती मिशन एवं जैविक कमोडिटी बोर्ड के निर्णय की प्रशंसा करते हुए बजट में घोषित

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक ने सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। उक्त परियोजना राजस्थान के 12 जिलों जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़, जोधपुर, डूंगरपुर, झालावाड़ व उदयपुर में संचालित की जाएगी।

कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त जगदीश पारीक ने अपने उद्बोधन में राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं बताईं। उन्होंने बताया कि मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती में किसान अपनी लगन और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकता है। पारीक ने आगे बताया कि भारत सरकार व राजस्थान सरकार दोनों ही जैविक

कट्स संस्थान द्वारा प्रोस्कोप परियोजना का शुभारम्भ

ढोलामारू न्यूज़

जयपुर.कटस संस्थान जयपुर द्वारा प्रोस्कोप परियोजना का शुभारंभ किया गया शुभारंभ कार्यक्रम में पदम श्री पुरस्कार प्राप्त जगदीश पारीक राजस्थान कृषि अनुसंधान निदेशक डॉ ए एस बालोदा अतिरिक्त निदेशक कृषि विभाग हनुमान मल ढाका राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिशील किसान सुरेंद्र रवाना ने कार्यक्रम में भाग लिया कार्यक्रम में 'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में जैविक खेती के बारे में बताया व कट्स द्वारा किये जा रहे कार्यो को विस्तार से बताया कृषि अनुसंधान संस्था के निदेशक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि कृषि का का क्षेत्र बहुत व्यापक है। देश में खाद्यान्न की पूर्ति करने के लिए हरित क्रांति का लाना पड़ा तथा आज देश खाद्यान्न में सम्पूर्ण आत्मनिर्भर है। हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेशक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जैविक उत्पादों की मांग बढ़ेगी तो उत्पादन भी धीरे-धीरे बढ़ेगा।

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र अवाना ने बताया कि किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए समन्वित कृषि व्यवस्था से खेती करनी होगी। इसमें खेती के अतिरिक्त अन्य संसाधनों को भी विकसित करना होगा जो कि जैविक खेती में उपयोगी रहेंगे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक ने परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के कुलदीप पंवार ने संस्था द्वारा संचालित 'फार्मस् प्रोड्यूसर ओर्गेनाईजेशन' परियोजना के तहत की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जोधपुर सहित 12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम होंगे विकसित, कट्स द्वारा प्रॉस्कोप परियोजना का शुभारंभ

जैविक खेती में विश्व में भारत का पांचवां व देश में राजस्थान का दूसरा स्थान, जैविक खेती को मिलेगा प्रोत्साहन

भास्कर न्यूज़ | बिलाड़ा

जोधपुर सहित राज्य के 12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किए जाएंगे। जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए कट्स इंटरनेशनल द्वारा जयपुर में प्रोस्कोप परियोजना का शुभारंभ किया गया।

सहायक निदेशक दीपक सक्सेना ने बताया कि ये परियोजना जोधपुर, जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़ व उदयपुर में संचालित होगी। इस दौरान पद्मश्री जगदीश पारीक ने कहा की जैविक खेती करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। कट्स के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना के बारे में बताया। कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एएस बालोदा ने बताया कि प्रोस्कोप

परियोजना के तहत जो आदर्श जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। अतिरिक्त निदेशक कृषि विभाग हनुमानमल ढाका, प्रगतिशील किसान सुरेंद्र अवाना, कट्स के कुलदीप पंवार ने भी संबोधित किया। संचालन निमिषा शर्मा ने किया। धर्मेंद्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कट्स के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने राज्य स्तरीय परियोजना शुभारंभ के दौरान बताया कि विश्व में कृषि के लिए उपलब्ध कुल भूमि 72.3 मिलियन हैक्टेयर में से केवल 1.5 प्रतिशत भाग में ही जैविक खेती होती है। सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हेक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवां स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है।

कट्स संस्थान द्वारा प्रोस्कोप परियोजना का किया शुभारम्भ

जयपुर गुलाबी टाइम्स

जयपुर। कटस संस्थान जयपुर द्वारा प्रोस्कोप परियोजना का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में पदम श्री पुरस्कार प्राप्त जगदीश पारीक राजस्थान कृषि अनुसंधान निदेशक डॉ ए एस बालोदा अतिरिक्त निदेशक कृषि विभाग हनुमान मल ढाका राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिशील किसान सुरेंद्र रवाना ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में 'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में जैविक खेती के बारे में बताया व कट्स द्वारा किये जा रहे कार्यो को विस्तार से बताया। कृषि अनुसंधान संस्था के निदेशक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि कृषि का का क्षेत्र बहुत व्यापक है। देश में खाद्यान्न की पूर्ति करने के लिए हरित क्रांति का लाना पड़ा तथा आज देश खाद्यान्न में सम्पूर्ण आत्मनिर्भर है। हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेशक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जैविक उत्पादों की मांग बड़ेगी तो उत्पादन भी धीरे-धीरे बड़ेगा। राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र अवाना ने बताया कि किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए समन्वित कृषि व्यवस्था से खेती करनी होगी। इसमें खेती के अतिरिक्त अन्य संसाधनों को भी विकसित करना होगा जो कि जैविक खेती में उपयोगी रहेंगे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक ने परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के कुलदीप पंवार ने संस्था द्वारा संचालित 'फार्मस् प्रोड्यूसर ओर्गेनाईजेशन' परियोजना के तहत की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कट्स द्वारा विकसित किये जायेंगे 12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम - निदेशक चेरियन

दास्ताने भीलवाड़ा @ भीलवाड़ा

'कट्स' द्वारा आने वाले समय में बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किये जायेंगे। यह जानकारी कट्स' के निदेशक जार्ज चेरियन ने मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय परियोजना शुभारंभ बैठक के दौरान दी। जार्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हेक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। चेरियन वर्तमान बजट में राजस्थान सरकार द्वारा घोषित राजस्थान जैविक खेती मिशन एवं जैविक कमोडिटी बोर्ड के निर्णय की प्रशंसा करते हुए बजट में घोषित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक ने सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त श्री जगदीश पारीक ने अपने उद्बोधन में राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं बताई। कार्यक्रम में उक्त जिलों के किसान व परियोजना सहयोगियों सहित 60 से अधिक भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जरूरी निदेश भी दिए।

'कट्स' द्वारा विकसित किये जायेंगे 12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम, 'कट्स' द्वारा 'प्रोस्कोप' परियोजना का शुभारंभ

जयपुर । 'कट्स' द्वारा आने वाले समय में बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किये जायेंगे। यह जानकारी कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय परियोजना शुभारंभ बैठक के दौरान दी। जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हेक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। चेरियन वर्तमान बजट में राजस्थान सरकार द्वारा घोषित राजस्थान जैविक खेती मिशन एवं जैविक कमोडिटी बोर्ड के निर्णय की प्रशंसा करते हुए बजट में घोषित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेषक ने सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। उक्त परियोजना राजस्थान के 12 जिलों जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, जोधपुर, डूंगरपुर, झालावाड़ व उदयपुर में संचालित की जाएगी। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त श्री जगदीश पारीक ने अपने उद्बोधन में राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं बताईं। उन्होंने बताया कि मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती में किसान अपनी लगन और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकता है।

पारीक ने आगे बताया कि भारत सरकार व राजस्थान सरकार दोनों ही जैविक खेती को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जैविक खेती करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्ष जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे पूरे प्रदेष में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती में किसानों को सम्पूर्ण भागीदारी रखनी होगी। राज्य में जैविक उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए जयपुर स्थित दुर्गापुरा कृषि फार्म में लेबोरेटरी स्थापित की गई है। हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेषक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जैविक उत्पादों की मांग बढ़ेगी तो उत्पादन भी धीरे-धीरे बढ़ेगा। राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिषील किसान सुरेन्द्र अवाना ने बताया कि किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए समन्वित कृषि व्यवस्था से खेती करनी होगी। इसमें खेती के अतिरिक्त अन्य संसाधनों को भी विकसित करना होगा जो कि जैविक खेती में उपयोगी 'कट्स' के कुलदीप पंवार ने संस्था द्वारा संचालित 'फार्मस् प्रोड्यूसर ओर्गेनाईजेषन' परियोजना के तहत की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उक्त जिलों के किसान व परियोजना सहयोगियों सहित 60 से अधिक भागीदारों में कोटा जिले से जिला समन्वयक युधिष्ठिर चानसी ने भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पार्क के पास से कचरा पॉइंट हटाने की मांग को लेकर निगम आयुक्त को दिया ज्ञापन

कचरा पाइंट नहीं हटा तो स्थानीय व्यक्तियों के साथ करेंगे विरोध

तानाशाही के खिलाफ बुलंद करना जलियांवाला

'कट्स' द्वारा 'प्रोस्कोप' परियोजना का शुभारम्भ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। ''राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं हैं। मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए।'' उक्त विचार 'प्रोस्कोप' परियोजना के शुभारम्भ के अवसर पर पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त श्री जगदीष पारीक ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती में किसान अपनी लगन और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि भारत सरकार व राजस्थान सरकार दोनों ही जैविक खेती को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जैविक खेती करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम में 'कट्स' के निदेषक जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि विष्व में कृषि हेतु उपलब्ध कुल भूमि 72.3 मिलियन हैक्टर में से केवल 1.5 प्रतिषत भाग में ही जैविक खेती होती है। सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में, जहां 35.69 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में जैविक खेती होती है। विष्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। सम्पूर्ण विष्व में भारत में सर्वाधिक जैविक उत्पादक है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देष में मध्य प्रदेष के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वार 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। 2020-21 में 5 लाख कम्पोस्ट यूनिट के निर्माण की भी घोषणा की गई है तथा 2022 में राजस्थान ओर्गेनिक फार्मिंग मिषन की भी घोषणा की गई है। जैविक खेती को वाणिज्य मंत्रालय से कृषि मंत्रालय के अधीन करना चाहिए।

राजस्थान में वर्ष, 2013 में प्रोओर्गेनिक परियोजना षुरू की गई थी,। पहले दो चरणों की सफलता को देखते हुए स्वीडिष सोसायटी फॉर नेचर कन्जरवेषन (एसएसएनसी) के सहयोग से राजस्थान राज्य में 'प्रोस्कोप' (राजस्थान में उपभोक्ताओं की भागीदारी सुनिष्चित करते हुए सतत् उपभोग की गतिविधियों एवं जैविक उपभोग व उत्पादन को बढ़ाते हुए जीवन षैली की संस्कृति का विकास करना) परियोजना को प्रारम्भ किया जा रहा है जो कि जनवरी, 2022 से दिसम्बर, 2026 तक राज्य के बारह जिलों में पांच वर्षों की अवधि के लिए संचालित की जाएगी। इस परियोजना का मुख्य आकर्षक यह रहेगा कि प्रत्येक जिले में एक आदर्ष जैविक ग्राम बनाया जाएगा।

कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्था के निदेषक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि कृषि का का क्षेत्र बहुत व्यापक है। देष में खाद्यान्न की पूर्ति करने के लिए हरित क्रांति का लाना पड़ा तथा आज देष खाद्यान्न में सम्पूर्ण आत्मनिर्भर है। राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्ष जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे पूरे प्रदेष में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती में किसानों को सम्पूर्ण भागीदारी रखनी होगी। राज्य में जैविक उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए जयपुर स्थित दुर्गापुरा कृषि फार्म में लेबोरेटरी स्थापित की गई है।

हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेषक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है।

कट्स द्वारा विकसित किये जायेंगे बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम

कट्स द्वारा प्रोस्कोप परियोजना का शुभारंभ

जयपुर (बंशीलाल धाकड राजपुरा)। 'कट्स' द्वारा आने वाले समय में बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किये जायेंगे। यह जानकारी कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय परियोजना शुभारंभ बैठक के दौरान दी। जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हेक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मधय प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। चेरियन वर्तमान बजट में राजस्थान सरकार द्वारा घोषित राजस्थान जैविक खेती मिशन एवं जैविक कमोडिटी बोर्ड के निर्णय की प्रशंसा करते हुए बजट में घोषित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेषक ने सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। उक्त परियोजना राजस्थान के 12 जिलों जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, जोधापुर, डूंगरपुर, झालावाड़ व उदयपुर में संचालित की जाएगी। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर

पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त श्री जगदीश पारीक ने अपने उद्बोधन में राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं बताईं। उन्होंने बताया कि मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती में किसान अपनी लगन और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकता है। पारीक ने आगे बताया कि भारत सरकार व राजस्थान सरकार दोनों ही जैविक खेती को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जैविक खेती करने के लिए प्राकृतिक संसाधानों का अधिाक से अधिक उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधाान संस्थान के निदेशक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्ष जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे पूरे प्रदेष में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती में किसानों को सम्पूर्ण भागीदारी रखनी होगी। राज्य में जैविक उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए जयपुर स्थित दुर्गापुरा कृषि फार्म में लेबोरेटरी स्थापित की गई है। हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेषक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माधयम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जैविक उत्पादों की मांग बढ़ेगी तो उत्पादन भी धीरे-धीरे बढ़ेगा।

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिषील किसान सुरेन्द्र अवाना ने बताया कि किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए समन्वित कृषि व्यवस्था से खेती करनी होगी। इसमें खेती के अतिरिक्त अन्य संसाधानों को भी विकसित करना होगा जो कि जैविक खेती में उपयोगी 'कट्स' के कुलदीप पंवार ने संस्था द्वारा संचालित 'फार्मस् प्रोड्यूसर ओर्गेनाईजेषन' परियोजना के तहत की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उक्त जिलों के किसान व परियोजना सहयोगियों सहित 60 से अधिक भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धार्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धान्यवाद ज्ञापित किया।

'कट्स' द्वारा 'प्रोस्कोप' परियोजना का शुभारम्भ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। ''राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाएं है। मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए।'' उक्त विचार 'प्रोस्कोप' परियोजना के शुभारम्भ के अवसर पर पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त श्री जगदीष पारीक ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती में किसान अपनी लगन और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि भारत सरकार व राजस्थान सरकार दोनों ही जैविक खेती को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जैविक खेती करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम में 'कट्स' के निदेषक जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि विष्व में कृषि हेतु उपलब्ध कुल भूमि 72.3 मिलियन हैक्टर में से केवल 1.5 प्रतिषत भाग में ही जैविक खेती होती है। सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में, जहां 35.69 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में जैविक खेती होती है। विष्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। सम्पूर्ण विष्व में भारत में सर्वाधिक जैविक उत्पादक है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देष में मध्य प्रदेष के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वार 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। 2020-21 में 5 लाख कम्पोस्ट यूनिट के निर्माण की भी घोषणा की गई है तथा 2022 में राजस्थान ओर्गेनिक फार्मिंग मिषन की भी घोषणा की गई है। जैविक खेती को वाणिज्य मंत्रालय से कृषि मंत्रालय के अधीन करना चाहिए।

राजस्थान में वर्ष, 2013 में प्रोओर्गेनिक परियोजना शुरू की गई थी। पहले दो चरणों की सफलता को देखते हुए स्वीडिष सोसायटी फॉर नेचर कन्जरवेषन (एसएसएनसी) के सहयोग से राजस्थान राज्य में 'प्रोस्कोप' (राजस्थान में उपभोक्ताओं की भागीदारी सुनिष्चित करते हुए सतत् उपभोग की गतिविधियों एवं जैविक उपभोग व उत्पादन को बढ़ाते हुए जीवन पैली की संस्कृति का विकास करना) परियोजना को प्रारम्भ किया जा रहा है जो कि जनवरी, 2022 से दिसम्बर, 2026 तक राज्य के बारह जिलों में पांच वर्षों की अवधि के लिए संचालित की जाएगी। इस परियोजना का मुख्य आकर्षक यह रहेगा कि प्रत्येक जिले में एक आदर्ष जैविक ग्राम बनाया जाएगा।

कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्था के निदेषक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि कृषि का का क्षेत्र बहुत व्यापक है। देष में खाद्यान्न की पूर्ति करने के लिए हरित क्रांति का लाना पड़ा तथा आज देष खाद्यान्न में सम्पूर्ण आत्मनिर्भर है। राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्ष जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे पूरे प्रदेष में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती में किसानों को सम्पूर्ण भागीदारी रखनी होगी। राज्य में जैविक उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए जयपुर स्थित दुर्गापुरा कृषि फार्म में लेबोरेटरी स्थापित की गई है।

हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेषक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माधयम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है।

दैनिक भास्कर कोटा जिला 18-04-2022

जैविक खेती में आदर्श बनेंगे हमारे दो गांव

सुल्तानपुर. कट्स की ओर से आने वाले समय में 12 जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किए जाएंगे। यह जानकारी कट्स के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने परियोजना शुभारंभ बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र में होती है।

विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवां स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्यप्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। कट्स के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे में बताया। उक्त परियोजना राजस्थान के 12 जिलों में संचालित की जाएगी। कार्यक्रम में उक्त जिलों के किसान व परियोजना सहयोगियों सहित 60 से अधिक भागीदारों ने भाग लिया व कोटा जिले से जिला समन्वयक युधिष्ठिर चांदसी ने भाग लिया। कोटा जिले के दो ब्लॉक लाडपुरा और सुल्तानपुर में दो -दो ग्राम पंचायत का चयन कर लिया गया है, जिनमें गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने आभार जताया।